This question paper contains **3** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **1332**

Unique Paper Code : **210102** **F**

Name of the Paper : **Elements of Indian Philosophy–I**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Philosophy**

Semester : **I**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Answers may be written *either* in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— इस प्रश्न पत्र का उत्तर अंग्रेजी **या** हिंदी में से किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any *Five* questions in all.

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. Distinguish between the orthodox and heterodox systems of the classical Indian Philosophy.

पारंपरिक भारतीय दर्शन के आस्तिक तथा नास्तिक व्यवस्थाओं में भेद कीजिए।

P.T.O.

2. Explain the main features of the Cārvāka system.

चार्वाक दर्शन के मुख्य चिन्हों की व्याख्या कीजिए।

3. Explain the Buddhist view that 'he who sees the Pratītyasamutpāda sees the dharma'.

बौद्ध दर्शन के विचार, जो प्रतीत्यसमुत्पाद को देखता है वह धर्म जानता है, को समझाइए।

4. How do the doctrines of momentariness and anātmāvāda get related in Buddhism ?

क्षणिकवाद तथा अनात्मवाद किस प्रकार से बौद्ध दर्शन में संबंधित हो जाते हैं ? विवेचना कीजिए।

5. Discuss in detail, the theory of syādvāda.

स्याद्वाद की विस्तारपूर्वक विवेचना कीजिए।

6. Explain the Jaina theory of anekāntavāda.

जैन के अनेकान्तवाद सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

7. Examine with criticisms, the Sāṁkhya theory of causation.

सांख्य के कारणवाद सिद्धान्त की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

8. Elaborate on the Nyāya theory of inference.

न्याय के 'अनुमान' की अवधारणा को विस्तृत कीजिए।

9. Discuss in detail the seven padārthas of the Vaiśeṣika system.

वैशेषिक दर्शन के सप्त पदार्थ की विस्तारपूर्वक विवेचना कीजिए।

10. Write short notes on any *two* :

(*i*) Patañjali's astāṅga yoga

(*ii*) Jaina view of Karma and liberation

(*iii*) Buddhist concept of eightfold noble path

(*iv*) Nyāya view of perception.

किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(*i*) पतंजलि का अष्टांग योग

(*ii*) जैन दर्शन के कर्म तथा मुक्ति के विचार

(*iii*) बौद्ध के महत्वपूर्ण अष्टांग पथ की अवधारणा

(*iv*) न्याय दर्शन के प्रत्यक्ष विचार।